

उनि ॥ अनिवार्य तद्वीरं ॥ वरु कसि तददेति ॥ इदि न जनी या सहर्तं च ॥
विद्या मकी न मा मिदं ॥ उथं ॥ अग न का वा द ॥ सा सी ॥ नृग या य ॥ द व स्था य ॥
अन वा दिसं य वी वा ना ना कि व य ॥ रू रू ॥ स्वी न ॥ अ न वा दिय स्था हा ॥ य
जा ॥ उ नि ॥ ॥ उं नि व व रू म हा वी र ॥ र व मी पा भ क ट ज नी ॥ स र्व इ ष्ट नि वा व र्ण ॥ अ
व वि र्ब न मा मि दं ॥ १ ॥ उ थं ॥ न अ न्य सा य ॥ गु नू नि ग या य ॥ द व स्था य ॥ उं न
अ ल्य स प वि वा ना ना कि व य ॥ रू रू ॥ सा वी य ॥ अ न कि वा र्य स्था हा ॥ य जा ॥ ॥
ना रि ज न ॥ नि व रू ॥ नि रू ॥ को ध वि ग रू ॥ व रू दं द्रा क न ज नि ॥ न कि वा ज न मा

मि दं ॥ ॥ उ थं वा य य स ॥ गु नू नी ल्य या य ॥ द व स्था य ॥ ॥ उं वा यि वा स प वी वा ना
कि व य ॥ रू रू ॥ स्था न वा य ॥ उं म हा व व स्था हा ॥ य जा ॥ उ नि ॥ ॥ उं क रू
व रू म हा को ध ॥ व जा क न दं लु नी ॥ न ज नि वा स रू रू च ॥ नि व द लु न मा मि दं ॥ ६ ॥ उ
द द्रा न स ॥ द धू स वा दा व ॥ नृ ग या य ॥ द व स्था हा य ॥ ॥ उं वृ ष्ठा दि स प वी वा ना
कि व ॥ रू रू ॥ स्था न वा य ॥ म हा व वा य स्था हा ॥ य जा ॥ उ नि ॥ ॥ उं मी मा व का
जा व का र्म गु रू का रि ॥ न ज नि वा स रू रू च ॥ म हा व र्ब न मा मि दं ॥ ७ ॥ उ थं अ
रू द्रा न स ॥ गु नू नृ या य ॥ द व स्था य ॥ ॥ उं ना ग मा ना स प वि वा ना ना कि व

मानव सर्ववत्ता संपूर्ण दिव्या वंका नरविर्ग सावना यत्र जिह्वा यत्र जस्रव्य
द्विजग मृही लो नु मय्य मधुलं कर्म साधय उँ हिरिहिरिहिरि हिरि हिरि हिरि हिरि
धनमुपयाय न नदवी साखि लनासि सर्ववृक्षी नूनायिना वर्या नय विअध
नू लमिपावमिगाहूत जथा मानव वंदनार्थ सा खसिंद वनायिना नथा मानव वंद
जिह्वा मील लं लयया मिदं धनवर्जं धाय उँ भदनी वज्रित व वन वं न्ध हं
पं वयुता नयु जा ना रासा यथा वादन तुजि वरी विय उँ वरुक्ष व सर्व द्रावी
दय रु व न नु वरी गृह्ण श्रव श्रवा हि उँ धन वी धान धाय साहा

[illegible]

सुखाधिवान्न वजनधियः ॥ ॐ हं ग्रां ह्रीं अः स्वस्वमं कुन स्वस्वद्वना विचिन्ता ॐ
वज्रसमयसूर्यमातिर्कुम्यदं हं ॥ ॐ तिसुखाधिवान्न वज्राधिवान्न
॥ ॐ कावर्जयैव सुविक्रमिन्वज्रविताय ॥ ॐ वज्रसत्त्व ॥ ॐ तिवज्रधिवान्न
ध्यात्रीवसंखाधिवान्नयाय ॥ यं कावर्जमिन्वज्रं भवधवनेव हं वासुकिना
गवर्जविताय ॥ ॐ श्री भवपात्रनागवर्जनमस्वाहा ॥ ॐ तिमंखाधिवान्नविधि
ध्यात्रीवर्धधिवान्नयाय ॥ ॐ अकावर्जं धीं न विताय ॥ ॐ वज्रकर्म वज्रद्युम्भ
अस्वाहा ॥ ॐ तिमंखाधिवान्नविधि ॥ ॥ तन्नावर्जधिवान्नयाय ॥ नीवर्ग वज्र

नधिसीत ॥ ॥ ॐ हं वज्राधिरुसमयहं ॥ ॥ भायुर्व ॥ ॐ वं वज्राधिरुसमयहं
नुयुर्वगस ॥ ॐ अः वज्रधिरुसमयहं ॥ आदूर्तग ॥ ॐ कीवज्रधिरुसमयहं ॥
वादूर्तग ॥ ॐ वं वज्रधिरुसमयहं ॥ पंचयज्ञवपुः शास्त्रा लुति ॥ ॐ तिवज्रधिवान्न
नविधि ॥ ध्यात्रीवर्धमं लयावधस यं केसुगधपनायादाव ध्यान ॥ ॐ मं लुले
मध्याध्याधिसूत्रसमाधायं चकुम्भयं उरुवसाधकं वलुभाहायवर्धविताय ॥ ॥ ध
नक्तमापनयादाव गुर्व सायाव ॐ भानस नैपुण्यसवादाव सुगुह्य ॥
ॐ हं नान्या नूनामासवधमाना ॥ ॐ यवस्यवानूनामासवधमाना ॥ अन्यकानूनामास

वधस्मा ॐ आरुं ॥ ॐ नि शुभ विवासन विधि ॥ ॐ देवता विवासनयाय ॥ ॐ शु
 लस गवतनस्थान वाय ॥ गवत गवत ॥ १००० गुटी ॥ ॐ देवता वाय ॥ आकलयन या आदि
 वृष-यास ॥ ॐ जीवत रुह बू-का दाकि ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि
 यद्दं दृष्ट ॥ ॐ अकिनाय ॥ वासय ॥ ॐ उवाह ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि
 सामय विसमय ॥ कव ॥ पुचं जाय ॥ कव ॥ वन ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि
 ना विवासन विधा ॥ ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि
 संधाय ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि ॥ ॐ देवता वाय ॥ आदि

[illegible]

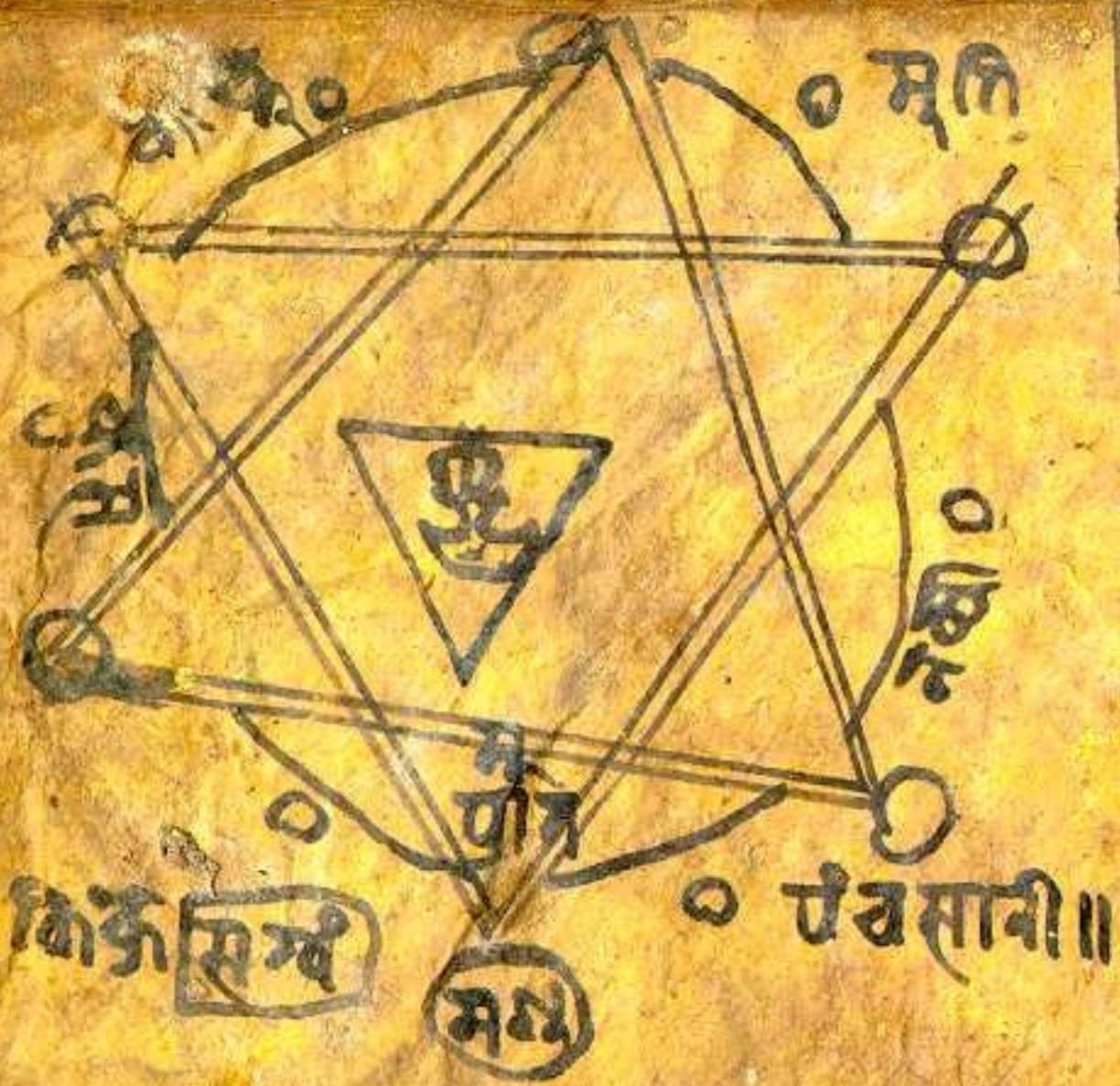
॥ अष्टमयुकाः धर्षिगुनीनः पद्मिपूरुषाद्विधा ॥ ॥ वृद्धावृद्धिज्ञानसा विवावीक ॥
 ॥ नखः स्वानेदाहावाः सावीतीवः विद्यावीगः वज्रवादि कीयास्तुय ॥ ॥ सा सिध्य ॥
 ॥ वृद्धयाः स्नानयावसः क्षयः ॥ विवागक्षयः पापः ॥ धर्षिगुनीः वज्रकायानः स्यावम ॥
 ॥ कुरुवाः ॥ सार्वमदः असार्वमदः धर्षिगुनीः विद्यावयाद्विष्ठाकः धर्षिः क्रयवम ॥
 ॥ श्वरीः वज्रवादिः श्वरीः प्रदगनवागा ॥ ॥ श्वरीवः फिकवसवीयः श्वरीवः श्वरीवः ॥
 ॥ यादानः उपहायाः जाययावकः ॥ ॥ असद्विद्वन्वदाकिनीवज्रवाः वज्रवेवावशा यरुद्रु ॥



ॐ नमः

ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

ॐ नमः ॥



ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

॥ मूडाननियकरव ॥ उँ मूडातर्वन्तु पत्रमडगर्न ॥ ॥ तासिक ॥ थमूडापत्रम ॥
॥ मय, मयमयवी, पदसनमायमइ, मूडाधियमइ ॥ ॥ तगवन्त, तगवन्ति ॥
॥ दवी, मरुकावन्त, सर्वरूपायन्तनरूपन ॥ ॥ तासिक ॥ थथीगुनीम ॥
॥ डाव्सासीनयापानाधन, गिरकाव, द्वियथा, सिकपथा, सर्वरूपान, वाना ॥
॥ पुत्रवासी शनसायना ॥ थनमूडाननियकर ॥

[illegible]

रदि कायदाथया ददयानख ॥ ॥ तासिक वाय ॥ ॥ उंरगवर्क
महाकाग ॥ रगवतिमहादवी ॥ सवत्रकपयवर्क ॥ ॥ तासिक ॥ श्रीरग
वर्क ॥ रगवतिदवीया ॥ पुदाथन ॥ थजिमिकं सान ॥ थननूकव ॥ यनमरु
न ॥ यदाथ ह्यन ॥ यायधूनायकं रसा ॥ सिकन रसाधन ॥ ॥ गुन
॥ यदकन ॥ ॥ तासिक ॥ थऊनूकव ह्यन ॥ नियकुमा ॥
ह्यन ॥ यायधूनायकं रसा ॥ सिकन ॥ ॥ नाययाने ॥ ॥ जागुर

पसादं गुनवचनाथं ॥ गुनूयदसंवया ॥ ॥ तासिक ॥ थव
॥ वकदकाया ॥ यधन ॥ समरु ॥ पापनासुत्र ॥ समरु ॥ महामंगव
॥ ॥ तातासुना ॥ मनामूग ॥ सागनी ॥ सीयर्क ॥ मानव ॥ ॥ ता
सिकस ॥ थसहताऊन ॥ ताग्ययाकाया ॥ यधन ॥ समरु ॥ ताऊन ॥ ता
ग्यशव ॥ सुगस ॥ सासुत्र ॥ ॥ ॥ मूजाययित ॥ रुखिगानाव ॥
सवकमाने ॥ सुमंगव ॥ ॥ तासिकस ॥ थववमधव ॥ सुज

न गियार्क वृथान रुमग पा पं रु न न श व काटियाप इवान
स इहायममाव अमग दरव आ सनाशय धममाव वं पमति
मूर्ख यदासीन मणिमाग च दारव इवसूरव परीसीन नुम
न सूपुष्ट मरुली व ॥ हासिक थथि गुवृथा दिक्काय रिनि
ना काया एव नाथन धय धन समग पापनास रुव इव डावि
ड कर्वि व नाव काम स आव काम स वा रु इव रुवन रु

यव हं पृष्ठा मंगव रुवा रुग स्वास रुव व ॥ उं अयम सुरु
व रुम अयम सुरु वी रुव अयम पाय य धन अयम धन
धनि वी अयम मृगु नासाय अयम सुरु व रुम नाय वी ॥
हासिक थथी गुवी घाय रुम मरु रुय रुका रुन धन संपा व
रा ना व ॥ ॐ निवर रुय रु ससमो य ॥ पुन ॥